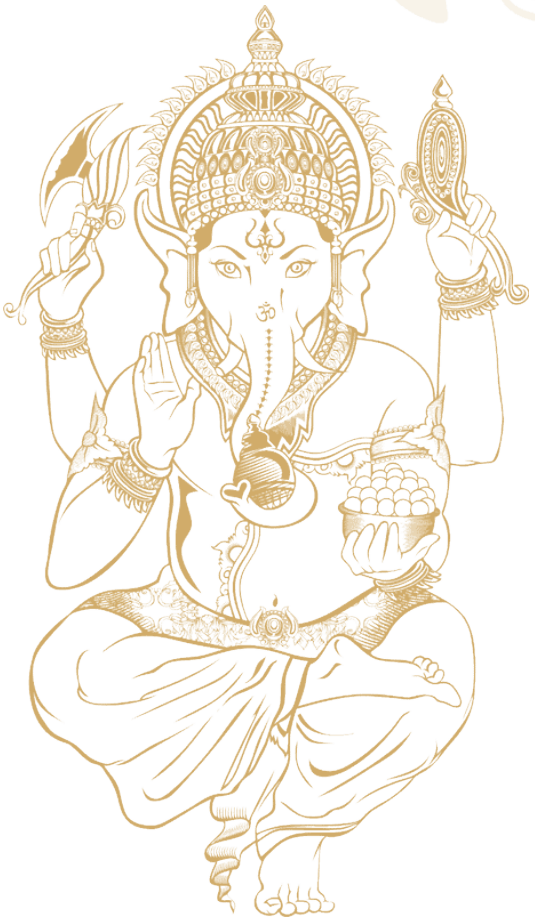

Mr. Yash jain

Ms.Mahak Choudhary

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120372602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/12/1994	जन्म तिथि	12/02/1998
शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 18:01:00	जन्म समय	18:20:00 घंटे
घटी 27:10:41	जन्म समय(घटी)	28:18:16 घटी
India	देश	India
Baran	स्थान	Jhalawar
25:08:00 उत्तर	अक्षांश	24:36:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:43	सूर्योदय	07:01:52
17:44:22	सूर्यास्त	18:17:42
23:47:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:47

विंशोत्तरी केतु 5वर्ष 6मा 8दि सूर्य		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 0वर्ष 8मा 0दि चन्द्र	
09/07/2020		20:21:42	मिथु	लग्न	सिंह	01:04:39	14/10/2024	
10/07/2026		15:48:41	धनु	सूर्य	मक	29:46:19	14/10/2034	
सूर्य	27/10/2020	02:48:55	धनु	चंद्र	सिंह	12:03:39	चन्द्र	14/08/2025
चन्द्र	27/04/2021	08:50:33	सिंह	मंगल	कुंभ	20:26:59	मंगल	15/03/2026
मंगल	02/09/2021	25:51:50	धनु	बुध	मक	22:19:03	राहु	14/09/2027
राहु	28/07/2022	10:50:43	वृश्चि	गुरु	कुंभ	08:05:50	गुरु	13/01/2029
गुरु	16/05/2023	29:37:51	तुला	शुक्र	धनु	25:29:33	शनि	14/08/2030
शनि	27/04/2024	14:09:38	कुंभ	शनि	मीन	22:35:51	बुध	14/01/2032
बुध	04/03/2025	19:33:05	तुला व मेष	राहु व केतु	सिंह व कुंभ	16:39:59	केतु	14/08/2032
केतु	09/07/2025	01:39:16	मक	हर्ष	मक	15:43:42	शुक्र	15/04/2034
शुक्र	10/07/2026	28:45:35	धनु	नेप	मक	06:42:00	सूर्य	14/10/2034
		05:43:01	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:01:39		

लग्न-चलित

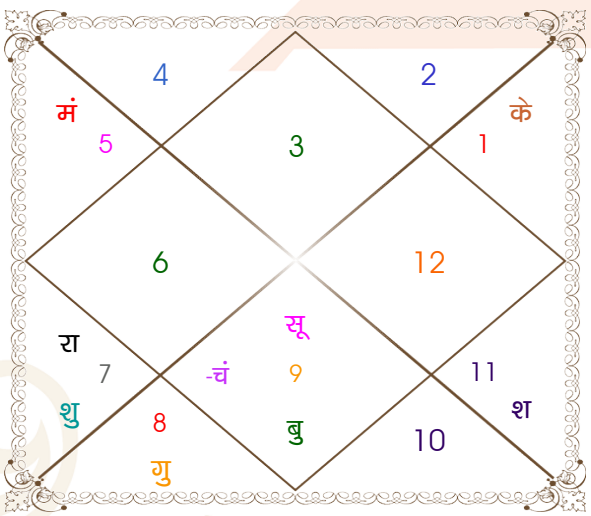

लग्न-चलित

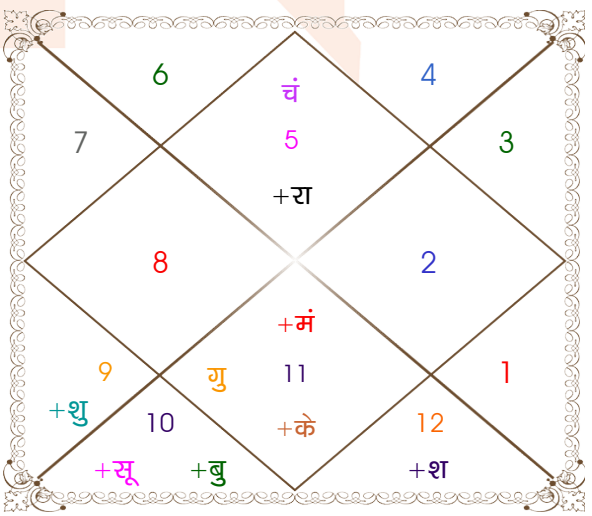

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. Yash jain का वर्ग मृग है तथा डेण्डीा बेवनकींतल का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Yash jain और डेण्डीा बेवनकींतल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Yash jain मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डेण्डीा बेवनकींतल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण्डीा बेवनकींतल कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Yash jain कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Yash jain तथा डेण्डीा बेवनकीतल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।